

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	ज्येष्ठ 20, बुधवार, शाके 1942-जून 10, 2020 Jyaistha 20, Wednesday, Saka 1942-June 10, 2020	

भाग 4 (ग)

उप- खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशो, उप- विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

कार्मिक विभाग

क-ग्रुप-2

अधिसूचना

जयपुर, जून 09, 2020

**जी.एस.आर. 172 :-**भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान के राज्यपाल, राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 को और संशोधित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.-** (1) इन नियमों का नाम राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) (तीसरा संशोधन) नियम, 2020 है।

(2) ये, इन नियमों द्वारा प्रतिस्थापित नियम 15 के उप-नियम (2) के द्वितीय परन्तुक और अनुसूची-III के शीर्ष (1) परीक्षा की स्कीम के उप-शीर्ष (ii) मुख्य परीक्षा के खण्ड (क) के द्वितीय परन्तुक जो 17.06.2013 से प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे, को छोड़कर, तुरन्त प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

**2. नियम 15 का प्रतिस्थापन.-** राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियमों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के विद्यमान नियम 15 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

**“15. परीक्षा की स्कीम, व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षा.-** (1) आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षा अनुसूची-III में विनिर्दिष्ट स्कीम के अनुसार दो स्तरों पर, अर्थात् प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा, आयोजित की जायेगी। मुख्य परीक्षा में प्रवेश के लिए अर्हित घोषित किये गये अभ्यर्थियों द्वारा प्रारम्भिक परीक्षा में प्राप्त अंकों की, उनका अंतिम योग्यताक्रम अवधारित करने के लिए संगणना नहीं की जायेगी।

(2) मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या, इस परीक्षा के माध्यम से वर्ष में भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या की 15 गुना होगी किन्तु उक्त रेंज में उन सभी अभ्यर्थियों को, जो उतने अंक प्राप्त करते हैं जितने कि आयोग द्वारा किसी निम्नतम रेंज के लिए नियत किये जायें, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा:

परन्तु यदि आयोग की यह राय है कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए सामान्य मानक के आधार पर आरक्षित प्रवर्गों से संबंधित अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है तो ऐसे आरक्षित प्रवर्ग से संबंधित अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के लिए आयोग द्वारा शिथिल किया गया मानक लागू किया जा सकेगा जिससे कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उस प्रवर्ग में के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध हो सके। इस प्रयोजन के लिए रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या के 15 गुणा की विचार की संख्या-सीमा की शर्त को

शिथिल किया जायेगा। तथापि, मुख्य परीक्षा के लिए इस प्रकार अतिरिक्त रूप से अर्हित अभ्यर्थी, केवल उनके अपने-अपने प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों पर ही चयन के पात्र होंगे।

परन्तु यह और कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, 2013, 2016 और 2018 के मामले में जिसके लिए प्रक्रिया पहले ही पूर्ण हो चुकी है या प्रारंभ हो चुकी है आयोग द्वारा संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के रूप में, उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए संबंधित आरक्षित प्रवर्ग के लिए आरक्षित पदों से 15 गुणा से अधिक बुलाये गये आरक्षित प्रवर्ग के अभ्यर्थी, जिन्होंने उस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य प्रवर्ग के लिए कट-ऑफ अंकों के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अर्हित समझे जायेंगे।

टिप्पण: इस नियम के प्रयोजन के लिए “आरक्षित प्रवर्ग” से कोई ऐसा प्रवर्ग अभिप्रेत है जिसके लिए या तो क्षैतिज या ऊर्ध्व आरक्षण लागू है।

(3) उन अभ्यर्थियों को, जो मुख्य परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करते हैं जितने आयोग द्वारा स्वविवेक से नियत किये जायें, आयोग द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा।

(4) मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को, व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षा में उपस्थित होने हेतु अर्हित होने के लिए, प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 10 प्रतिशत अंक और समस्त प्रश्नपत्रों के कुल अंकों में से कुल 15 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे:

परन्तु अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के प्रवर्गों से संबंधित अभ्यर्थियों को ऐसे न्यूनतम अंकों में 5 प्रतिशत का शिथिलीकरण दिया जायेगा।

(5) आयोग अपने द्वारा साक्षात्कार किये गये प्रत्येक अभ्यर्थी को उसके चरित्र, व्यक्तित्व, संभाषण, शारीरिक गठन और राजस्थान की संस्कृति के ज्ञान को ध्यान में रखते हुए अंक प्रदान करेगा। तथापि, राजस्थान पुलिस सेवा में चयन के लिए एन.सी.सी. का ‘सी’ प्रमाणपत्र रखने वाले अभ्यर्थियों को अधिमान दिया जायेगा। इस प्रकार प्रदत्त अंकों को ऐसे प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में जोड़ा जायेगा:

परन्तु आयोग, प्रारम्भिक परीक्षा के परिणाम की घोषणा के पूर्व, सरकार से सूचना प्राप्त होने पर, विज्ञापित रिक्तियों की संख्या को बढ़ा या घटा सकेगा।”।

### 3. अनुसूची-III का संशोधन.- उक्त नियमों से संलग्न अनुसूची-III में,-

(i) शीर्ष (1) परीक्षा की स्कीम में, उप-शीर्ष (ii) मुख्य परीक्षा के अधीन, विद्यमान खण्ड (क) के स्थान पर निम्नलिखित नये खण्ड (क) और (कक) प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात्:-

“(क) मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या, इस परीक्षा के माध्यम से वर्ष में भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या की 15 गुणा होगी किन्तु उक्त रैंज में उन सभी अभ्यर्थियों को, जो उतने अंक प्राप्त करते हैं जितने कि आयोग द्वारा किसी निम्नतम रैंज के लिए नियत किये जायें, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा:

परन्तु यदि आयोग की यह राय है कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए सामान्य मानक के आधार पर आरक्षित प्रवर्गों से संबंधित अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध नहीं है तो ऐसे आरक्षित प्रवर्ग से संबंधित अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के लिए आयोग द्वारा शिथिल किया गया मानक लागू किया जा सकेगा जिससे कि मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उस प्रवर्ग में के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध हो सके। इस प्रयोजन के लिए रिक्तियों की कुल अनुमानित संख्या के 15 गुणा की विचार की संख्या-सीमा की शर्त को

शिथिल किया जायेगा। तथापि, मुख्य परीक्षा के लिए इस प्रकार अतिरिक्त रूप से अर्हित अभ्यर्थी, केवल उनके अपने-अपने प्रवर्गों के लिए आरक्षित पदों पर ही चयन के पात्र होंगे।

परन्तु यह और कि राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, 2013, 2016 और 2018 के मामले में जिसके लिए प्रक्रिया पहले ही पूर्ण हो चुकी है या प्रारंभ हो चुकी है आयोग द्वारा संबंधित आरक्षित प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के रूप में, उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए संबंधित आरक्षित प्रवर्ग के लिए आरक्षित पदों से 15 गुणा से अधिक बुलाये गये आरक्षित प्रवर्ग के अभ्यर्थी, जिन्होंने उस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य प्रवर्ग के लिए कट-ऑफ अंकों के बराबर या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, उस वर्ष की मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अर्हित समझे जायेंगे।

टिप्पण: इस खण्ड के प्रयोजन के लिए “आरक्षित प्रवर्ग” से कोई ऐसा प्रवर्ग अभिप्रेत है जिसके लिए या तो क्षैतिज या ऊर्ध्व आरक्षण लागू है।

(कक) मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को, व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षा में उपस्थित होने हेतु अर्हित होने के लिए, प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम 10 प्रतिशत अंक और समस्त प्रश्नपत्रों के कुल अंकों में से कुल 15 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे:

परन्तु अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के प्रवर्गों से संबंधित अभ्यर्थियों को ऐसे न्यूनतम अंकों में 5 प्रतिशत का शिथिलीकरण दिया जायेगा।“; और

(ii) शीर्ष (2) व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षा (नियम 15 देखिए) के अधीन विद्यमान खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(i) शीर्ष (1) परीक्षा की स्कीम के उप-शीर्ष मुख्य परीक्षा के अधीन खण्ड (कक) के अध्यक्षीन रहते हुए, ऐसे अभ्यर्थी, जो मुख्य परीक्षा में लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करते हैं जितने आयोग द्वारा स्वविवेक से नियत किये जायें, आयोग द्वारा व्यक्तित्व और मौखिक परीक्षा के लिए बुलाये जायेंगे, जो 100 अंकों की होगी।”।

[सं. एफ. 1(2)डीओपी/ए-11/97 पार्ट ]

राज्यपाल के आदेश और नाम से,

जय सिंह

उप शासन सचिव।

## DEPARTMENT OF PERSONNEL

### A-Gr.-II

### NOTIFICATION

Jaipur, June 09, 2020

**G.S.R. 172 :-**In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Rajasthan hereby makes the following rules further to amend the Rajasthan State and Subordinate Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) Rules 1999, namely:-

**1. Short title and commencement.-** (1) These rules may be called the Rajasthan State and Subordinate Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) (Third Amendment) Rules, 2020.

(2) They shall come into force with immediate effect except second proviso to sub-rule (2) of rule 15 and second proviso to clause (a) of sub-head (ii) Main Examination of head (1)

Scheme of examination of Schedule-III substituted by these rules, which shall be deemed to have come into force with effect from 17-06-2013.

**2. Substitution of rule 15.-** The existing rule 15 of the Rajasthan State and Subordinate Services (Direct Recruitment by Combined Competitive Examination) Rules 1999, hereinafter referred to as the said rules, shall be substituted by the following, namely:-

**"15. Scheme of Examination, Personality and Viva-Voce Test.-** (1) The Competitive Examination shall be conducted by the Commission in two stages i.e. Preliminary Examination and Main Examination as per the scheme specified in Schedule-III. The marks obtained in the Preliminary Examination by the candidates declared qualified for admission to the Main Examination, will not be counted for determining their final order of merit.

(2) The number of candidates to be admitted to the Main Examination will be fifteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year through the examination but in the said range all those candidates who secure the same marks as may be fixed by the Commission for any lower range will be admitted to the Main Examination:

Provided that, if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to reserved category are not available on the basis of general standard for appearing in the Main Examination, relaxed standard may be applied by the Commission for admitting candidates belonging to such reserved category so that sufficient number of candidates in that category are available to appear in the Main Examination. For this purpose, the zone of consideration of 15 times the total approximate number of vacancies shall stand relaxed. However, candidates so additionally qualified for the main examination will be eligible for selection to the posts reserved for respective categories only.

Provided further that in case of Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Examination 2013, 2016 and 2018, process for which has already been completed or commenced, candidates belonging to reserved category called by the Commission in excess of 15 times the posts reserved for respective reserved category for appearing in the main examination, as candidates of respective reserved categories, because of having secured equal or more marks than the cut-off marks for general category in preliminary examination for that year, shall be considered qualified for appearing in the main examination for that year.

Note: For the purpose of this rule "reserved category" means any such category for which reservation, either horizontal or vertical is applicable.

(3) Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Main Examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview.

(4) The candidates appearing in the main examination shall be required to obtain minimum 10% marks in each paper and 15% marks in aggregate out of the total marks of all papers in the main examination to qualify for appearing in personality and viva voce examination:

Provided that relaxation of 5% in such minimum marks shall be given to the candidates belonging to Scheduled Castes / Scheduled Tribes categories.

(5) The Commission shall award marks to each candidate interviewed by them, having regard to their character, personality, articulation, physique and knowledge of culture of Rajasthan. However, for selection to the Rajasthan Police Service candidates having 'C' Certificate of N.C.C. will be given preference. The marks so awarded shall be added to the marks obtained in the Main Examination by each such candidate:

Provided that the Commission, on intimation being received from the Government before declaration of the result of Preliminary Examination, may increase or decrease the number of vacancies advertised."

**3. Amendment of Schedule- III.-** In Schedule-III appended to the said rules,-

(i) in head (1) Scheme of examination, under sub-head (ii) Main Examination, the existing clause (a) shall be substituted by the following new clauses (a) and (aa), namely:-

- "(a) The number of candidates to be admitted to the Main Examination will be fifteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year through the examination but in the said range all those candidates who secure the same marks as may be fixed by the Commission for any lower range will be admitted to the Main Examination:

Provided that, if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to reserved category are not available on the basis of general standard for appearing in the Main Examination, relaxed standard may be applied by the Commission for admitting candidates belonging to such reserved category so that sufficient number of candidates in that category are available to appear in the Main Examination. For this purpose, the zone of consideration of 15 times the total approximate number of vacancies shall stand relaxed. However, candidates so additionally qualified for the main examination will be eligible for selection to the posts reserved for respective categories only.

Provided further that in case of Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Examination 2013, 2016 and 2018, process for which has already been completed or commenced, candidates belonging to reserved category called by the Commission in excess of 15 times the posts reserved for respective reserved category for appearing in the main examination, as candidates of respective reserved categories, because of having secured equal or more marks than the cut-off marks for general category in Preliminary Examination for that year, shall be considered qualified for appearing in the main examination for that year.

Note: For the purpose of this clause "reserved category" means any such category for which reservation, either horizontal or vertical is applicable.

- (aa) The candidates appearing in the main examination shall be required to obtain minimum 10% marks in each paper and 15% marks in aggregate out of the total marks of all papers in the main examination to qualify for appearing in personality and viva voce examination:

Provided that relaxation of 5% in such minimum marks shall be given to the candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes categories."; and

- (ii) the existing clause (i) under head (2) Personality and viva-voce Examination (See rule 15) shall be substituted by the following, namely.-

"(i) Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test of the Main Examination, as may be fixed by the Commission in their discretion subject to clause (aa) under sub-head (ii) Main Examination of head (1) Scheme of examination, shall be summoned by them for personality and viva-voce examination which carries 100 marks."

**No. F. 1( 2 ) DOP/A-II/ 97 Pt.**

**By Order and in the name of the Governor,**

**JAI SINGH ,**

**DEPUTY SECRETARY TO THE GOVERNMENT**

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।